>

Title: The Minister of State in the Ministry of Communication & Information Technology made a statement regarding status of implementation of recommendations in 49th Report of Standing Committee on Information Technology on functioning of Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), pertaining to the Department of Information Technology, Ministry of Communications and Information Technology.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (DR. SHAKEEL AHMAD): I am making this statement, in pursuance of Direction 73A by the hon. Speaker, Lok Sabha, on the status of implementation of recommendations contained in the 49th Report of the Department related Standing Committee on Information Technology (2006-07) (14th Lok Sabha), in respect of Department of Information Technology, Ministry of Communications & Information Technology.

i. The Standing Committee on Information Technology examined the Functioning of Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), an autonomous scientific society of the Department, and report was presented in the Lok Sabha on 21st August 2007.

ii. Department of Information Technology has noted all the 23 recommendations and has taken requisite steps towards their implementation as per enclosed Action Taken Report (Annexure).

(Placed in Library, See No. LT 8334/08)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : सभापति महोदय, हमारा बहुत महत्वपूर्ण मामला है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कालिंग अटेंशन के बाद आपको बोलने के लिए समय मिलेगा, क्योंकि परिपाटी ऐसी है। आपको दस मिनट बाद बोलने के लिए अवसर मिलेगा। आप लोग नियमों के पारंगत हैं, कालिंग अटेंशन के बाद ही आपकी बात सुनी जाएगी। कालिंग अटेंशन बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए पहले इसे हो जाने दीजिए। इसमें केवल दस मिनट का समय लगेगा, उसके बाद आप सब को बोलने का अवसर मिलेगा।

...(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : सभापति महोदय, मैंने नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय: मैंने स्वयं नोटिस दिया है, लेकिन अभी आप बैठ जाइए। आप दस मिनट बाद बोलिए, कालिंग अटेंशन हो जाने दीजिए।

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : सभापति महोदय, तिब्बत के मामले को पहले लिया जाए, यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय: स्वामी जी, आपके महत्व को हम समझते हैं, इस मामले को लिया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ : सभापति महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है, इस पर चर्चा करने का मौका दिया जाए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : प्रश्न भी महत्वपूर्ण है और आप भी हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। स्वामी जी, आप हमारी प्रार्थना स्वीकार करें और दस मिनट धीरज रखें।